

SALTOC Project

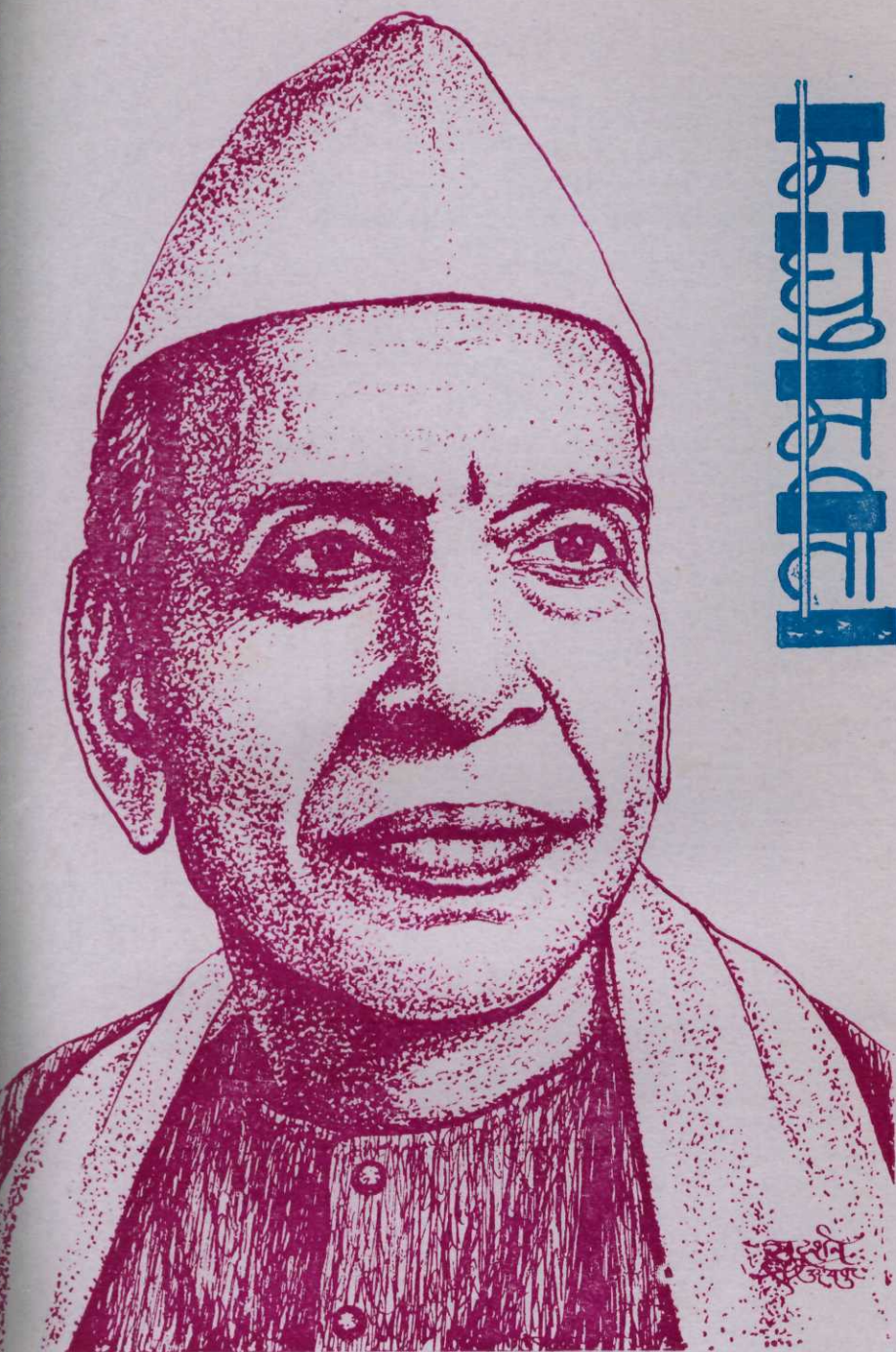
Title: Madhumatī

Imprint: Udayapura : Rājasthāna Sāhitya Akādamī (Saṅgama)

OCLC: 3195624

Volume 25, numbers 11-12 (Nov-Dec 1986)

TOC Supplied by: University of California, Berkeley



मैथिलीशरण गुप्त

मैथिलीशरण  
गुप्त

नवम्बर-दिसम्बर'86 (संयुक्तांक)  
मैथिलीशरण गुप्त जन्मशती विशेषांक



मार्च 86  
वर्ष 25, अंक 11-12

सम्पादक :  
प्रकाश आतुर

## क्रम

श्रद्धांजलि : श्रद्धांजलि/9/हरिदेव जोशी/ राष्ट्रकवि/13/अज्ञेय/उनकी पंहचान/16/विष्णु प्रभाकर/श्रद्धांजलि/19/यशपाल जैन/ कवि का धर्मसंकट/21/गौरीशंकर गुप्त/कवियों में तुम एक छंद थे/24/नीरज

सांस्कृतिक पुन- : सांस्कृतिक पुनर्जागरण के पुरोध-गुप्तजी/25/प्रभाकर  
जागरण के पुरोधा : माचवे/राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्यों के वैतालिक गुप्तजी/31/  
विजयेन्द्र स्नातक/राष्ट्रकवि की सर्जनात्मकता में काल सर्जना  
के विविध आयाम/39/वीरेन्द्रसिंह पुष्पार्थ और कर्म के  
उद्गाता-गुप्तजी/45/कृष्णकुमार शर्मा वर्तमान काव्य युग  
का अतीत : मैथिलीशरण गुप्त/52/शालभ/भारतीय परम्परा के  
पोषक/61/राजेन्द्रशंकर भट्ट/मैथिलीशरण गुप्त का काव्य :  
मानवीय मूल्यों की अभिव्यक्ति/65/वेद प्रकाश अमिताभ/  
भारतीय संस्कृति के पुनराख्याता-गुप्तजी/69/राघव प्रकाश

रचनादृष्टि : गुप्तजी की धरोहरा : स्रोत, काव्य और विकास/75/  
कल्याणमल लोढा/भारत भारती-स्वदेशी काव्य साधना/  
93/राजमल बोरा/मैथिलीशरण गुप्त के काव्यादर्श/101

देवीप्रसाद गुप्त/नाटक कार गुप्तजी/105/श्यामसुन्दर घोष/  
 सफल एवं सार्थक अनुवाद के हस्ताक्षर : मैथिलीशरण गुप्त/  
 112/रुजनीशकुमार/मैथिलीशरण गुप्त की रचना-दृष्टि/  
 118/रमाकांत शर्मा/

प्रासंगिकता : मैथिलीशरण गुप्त जी की प्रासंगिकता/123/आनन्दप्रकाश दीक्षित/शुग संदर्भ और साकेत की लोकप्रियता/128/ जगदीश शर्मा/मैथिलीशरण गुप्त की प्रासंगिकता : संदर्भ नारी गरिमा की प्रतिष्ठा/138/हेतु भारद्वाज राष्ट्रकवि की प्रासंगिकता/147/राजेन्द्र सक्सेना/मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में प्रासंगिकता/152/रामेश्वरदयाल शर्मा 'पंकज'

परिचर्चा : गुप्तजी की विरासत और हमारा वर्तमान/169/मुकुटधर पाण्डेय, नंद चतुर्वेदी, सैनेजर पाण्डे, नवलकिशोर और विमल/संयोजक- जीवनसिंह

विषय-सूची : 1. देवीप्रसाद गुप्त (105) 2. श्यामसुन्दर घोष (105) 3. सफल एवं सार्थक अनुवाद के हस्ताक्षर (112) 4. रुजनीशकुमार (112) 5. मैथिलीशरण गुप्त की रचना-दृष्टि (118) 6. रमाकांत शर्मा (118) 7. प्रासंगिकता (123) 8. आनन्दप्रकाश दीक्षित (123) 9. शुग संदर्भ और साकेत की लोकप्रियता (128) 10. जगदीश शर्मा (128) 11. मैथिलीशरण गुप्त की प्रासंगिकता : संदर्भ नारी गरिमा की प्रतिष्ठा (138) 12. हेतु भारद्वाज (138) 13. राष्ट्रकवि की प्रासंगिकता (147) 14. राजेन्द्र सक्सेना (147) 15. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में प्रासंगिकता (152) 16. रामेश्वरदयाल शर्मा (152) 17. पंकज (152) 18. परिचर्चा (169) 19. मुकुटधर पाण्डेय (169) 20. नंद चतुर्वेदी (169) 21. सैनेजर पाण्डे (169) 22. नवलकिशोर (169) 23. विमल (169) 24. संयोजक- जीवनसिंह (169)

7. प्रासंगिकता : 123 8. आनन्दप्रकाश दीक्षित : 123 9. शुग संदर्भ और साकेत की लोकप्रियता : 128 10. जगदीश शर्मा : 128 11. मैथिलीशरण गुप्त की प्रासंगिकता : संदर्भ नारी गरिमा की प्रतिष्ठा : 138 12. हेतु भारद्वाज : 138 13. राष्ट्रकवि की प्रासंगिकता : 147 14. राजेन्द्र सक्सेना : 147 15. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में प्रासंगिकता : 152 16. रामेश्वरदयाल शर्मा 'पंकज' : 152 17. परिचर्चा : 169 18. मुकुटधर पाण्डेय : 169 19. नंद चतुर्वेदी : 169 20. सैनेजर पाण्डे : 169 21. नवलकिशोर और विमल : 169 22. संयोजक- जीवनसिंह : 169

101. देवीप्रसाद गुप्त (105) 102. श्यामसुन्दर घोष (105) 103. सफल एवं सार्थक अनुवाद के हस्ताक्षर (112) 104. रुजनीशकुमार (112) 105. मैथिलीशरण गुप्त की रचना-दृष्टि (118) 106. रमाकांत शर्मा (118) 107. प्रासंगिकता (123) 108. आनन्दप्रकाश दीक्षित (123) 109. शुग संदर्भ और साकेत की लोकप्रियता (128) 110. जगदीश शर्मा (128) 111. मैथिलीशरण गुप्त की प्रासंगिकता : संदर्भ नारी गरिमा की प्रतिष्ठा (138) 112. हेतु भारद्वाज (138) 113. राष्ट्रकवि की प्रासंगिकता (147) 114. राजेन्द्र सक्सेना (147) 115. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में प्रासंगिकता (152) 116. रामेश्वरदयाल शर्मा (152) 117. पंकज (152) 118. परिचर्चा (169) 119. मुकुटधर पाण्डेय (169) 120. नंद चतुर्वेदी (169) 121. सैनेजर पाण्डे (169) 122. नवलकिशोर और विमल (169) 123. संयोजक- जीवनसिंह (169)